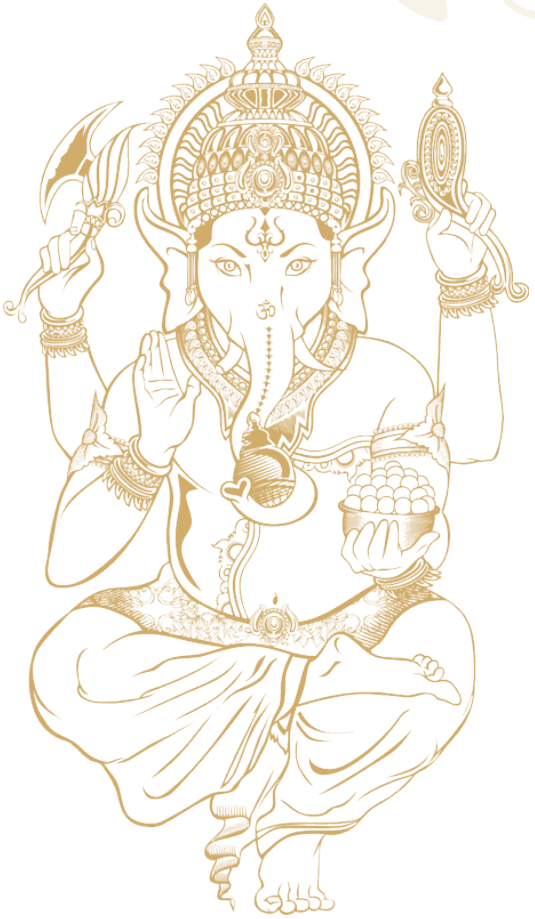

Ashutosh kumar

19 Jan 2011

11:00 AM

Motihari

Model: web-freekundliweb

Order No: 121729907

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/01/2011**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**11:00:00 घंटे**
इष्ट	10:49:35 घटी
स्थान	**Motihari**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:40:00 उत्तर
रेखांश	84:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:09:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:09:40 घंटे
वेलान्तर	-00:10:34 घंटे
साम्पातिक काल	19:02:44 घंटे
सूर्योदय	06:40:10 घंटे
सूर्यास्त	17:21:58 घंटे
दिनमान	10:41:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	04:45:43 मकर
लग्न के अंश	27:33:57 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	विष्कुम्भ
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	को-कोमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	27:33:57	484:02:49	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	---
सूर्य			मक	04:45:43	01:01:03	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	25:54:23	14:18:56	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	08:33:10	00:46:59	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
बुध			धनु	13:13:11	01:19:38	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
गुरु			मीन	05:21:50	00:10:28	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	स्वराशि
शुक्र			वृश्चि	18:13:52	01:04:37	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	सम राशि
शनि			कन्या	23:09:57	00:00:45	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
राहु	व		धनु	08:37:42	00:01:42	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	08:37:42	00:01:42	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	नीच राशि
हर्ष			मीन	03:28:09	00:02:08	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
नेप			कुंभ	03:17:34	00:02:03	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	11:57:17	00:02:02	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
दशम भाव			धनु	20:25:56	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:00

लग्न-चलित

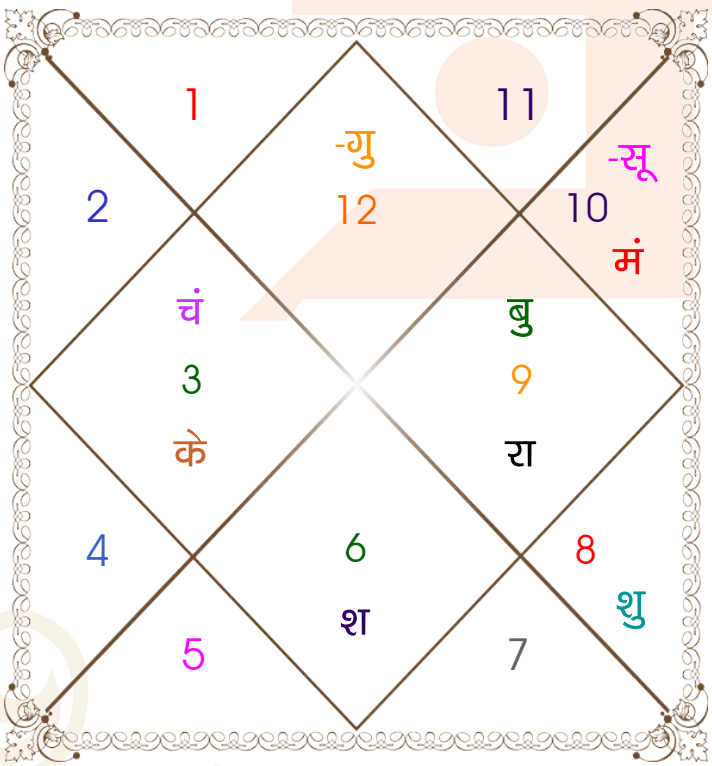

चन्द्र कुंडली

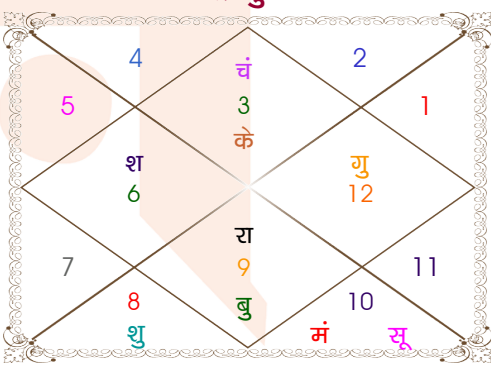

नवमांश कुंडली

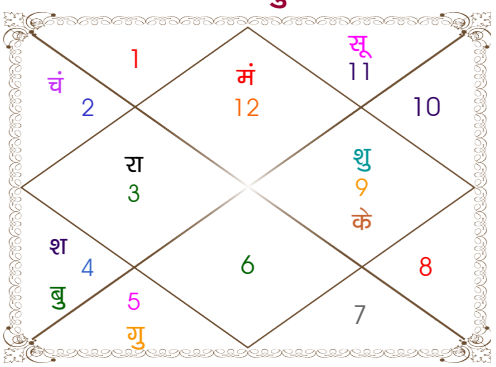

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 8 वर्ष 10 मास 28 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
19/01/2011		18/12/2019		18/12/2038		18/12/2055		18/12/2062	
18/12/2019		18/12/2038		18/12/2055		18/12/2062		18/12/2082	
	00/00/0000	शनि	21/12/2022	बुध	16/05/2041	केतु	15/05/2056	शुक्र	18/04/2066
	00/00/0000	बुध	30/08/2025	केतु	13/05/2042	शुक्र	15/07/2057	सूर्य	19/04/2067
	19/01/2011	केतु	09/10/2026	शुक्र	13/03/2045	सूर्य	20/11/2057	चंद्र	17/12/2068
केतु	30/10/2011	शुक्र	09/12/2029	सूर्य	17/01/2046	चंद्र	21/06/2058	मंगल	17/02/2070
शुक्र	30/06/2014	सूर्य	21/11/2030	चंद्र	19/06/2047	मंगल	17/11/2058	राहु	16/02/2073
सूर्य	19/04/2015	चंद्र	21/06/2032	मंगल	15/06/2048	राहु	06/12/2059	गुरु	18/10/2075
चंद्र	18/08/2016	मंगल	31/07/2033	राहु	02/01/2051	गुरु	11/11/2060	शनि	18/12/2078
मंगल	25/07/2017	राहु	06/06/2036	गुरु	09/04/2053	शनि	21/12/2061	बुध	18/10/2081
राहु	18/12/2019	गुरु	18/12/2038	शनि	18/12/2055	बुध	18/12/2062	केतु	18/12/2082

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
18/12/2082		17/12/2088		18/12/2098		19/12/2105		19/12/2123	
17/12/2088		18/12/2098		19/12/2105		19/12/2123		00/00/0000	
सूर्य	06/04/2083	चंद्र	18/10/2089	मंगल	16/05/2099	राहु	31/08/2108	गुरु	05/02/2126
चंद्र	06/10/2083	मंगल	19/05/2090	राहु	04/06/2100	गुरु	24/01/2111	शनि	19/08/2128
मंगल	11/02/2084	राहु	18/11/2091	गुरु	10/05/2101	शनि	30/11/2113	बुध	25/11/2130
राहु	05/01/2085	गुरु	19/03/2093	शनि	19/06/2102	बुध	19/06/2116	केतु	20/01/2131
गुरु	24/10/2085	शनि	18/10/2094	बुध	17/06/2103	केतु	07/07/2117		00/00/0000
शनि	06/10/2086	बुध	18/03/2096	केतु	13/11/2103	शुक्र	07/07/2120		00/00/0000
बुध	12/08/2087	केतु	18/10/2096	शुक्र	12/01/2105	सूर्य	01/06/2121		00/00/0000
केतु	18/12/2087	शुक्र	18/06/2098	सूर्य	20/05/2105	चंद्र	01/12/2122		00/00/0000
शुक्र	17/12/2088	सूर्य	18/12/2098	चंद्र	19/12/2105	मंगल	19/12/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 8 वर्ष 10 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से ऐसा ज्ञात हो रहा है कि आप के जन्म लग्नकाल मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म ज्योतिषीय चयनित समूह में वर्गोत्तम प्रभाव से प्रभावित है। फलस्वरूप आप शारीरिक रूप से आनंदित, धन, प्रसन्नता से युक्त एवं संतोषप्रद सर्वोत्कृष्ट जीवन यापन करेंगे।

यह तथ्य है कि आप वृद्धावस्था तक अच्छी प्रकार अपना जीवन बिताएंगे। आप सांसारिक सुखों का परित्याग करने एवं सन्यास ग्रहण करने के शर्त पर विचार करना प्रारंभ करोगे तथा धर्म दर्शन एवं पराविज्ञान के संबंध में अपनी अभिरूचि का प्रदर्शन करेंगे। आप अपने जन्म राशि के अनुकूल जीवन यापन का प्रयास करोगे। आप पूर्णरूपेण यह जानते हो कि मीन राशीय जातक को मुक्ति मिलती है तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो जाता है। आपकी बुद्धि सर्वोत्कृष्ट विचारों से युक्त है तथा आप यह जानते है कि आदर्श प्राणी किस प्रकार मानवों की सेवा करके जीवन यापन करते हैं। इसलिए आप जीवात्मा के उद्धार के लिए संपादित हो कर पुर्नजन्म अर्थात् आवागमन के चक्कर से मुक्त हो सकते हैं।

आपको अपने अस्तित्व के संबंध में निश्चित रूप से विचार करना चाहिए। आप अपने सद्गुणों का प्रदर्शन करेंगे। आप अपने अभिभावक के प्रति समर्पित एवं धर्म स्थलों का परिदर्शन संतों की सेवा एवं उदार भावनाओं से युक्त हो कर, दान प्रदान करेंगे। आप निः संदेह प्रचूर मात्रा में धनोपार्जन करेंगे। परंतु सुदृढ़ता पूर्वक उत्तम पथ गामी होंगे। आप अन्य लोगों की धन संपत्ति को अनुचित ढंग से अधिग्रहण नहीं करेंगे। लेकिन आप कठिन श्रम एवं समर्पण के कारण धन संचय कार्य के भागीदार बनेंगे। आप एक प्रसिद्ध प्राणी, आनंद पूर्ण जीवन व्यतीत करने वाले, निरंतर सहायता हेतु हाथ बढ़ाने के लिए उत्सुक रहेंगे जो व्यक्ति आपके संपर्क में रहते हैं, अथवा आपके सहयोग की आकांक्षा रखते हैं। आप सुनिश्चित रूप से एक मनोहर, प्रसन्नतादायक भवन परिवार के युक्त रहेंगे। आप अपनी समझदार पत्नी एवं उदीयमान संतान से युक्त सौभाग्यशाली प्राणी होंगे।

तथापि एक विसंगति आपमें विद्यमान है जिसे स्मरण रखें कि आपके जीवन का 17 वां वर्ष, 21 वां एवं 24 वां वर्ष अन्यों की भांति आपके लिए भाग्यशाली नहीं होगा। आपको इन समयावधि में एक प्रकार की समस्या से संघर्ष करना होगा। अतएव आपको निर्देश दिया जाता है कि उस समय सतर्कता पूर्वक रहना होगा। आपका स्वास्थ्य सामान्तः उत्तम रहेगा। परंतु कालांतर में आप कतिपय रोग यथा आंत्र शोथ, अल्सर एवं वृक्कशोथ रोगादिक समस्याओं के प्रति सतर्क रहने के लिए यदि आप मद्यपान करते है तो उस मद्य के बोतल को त्याग दें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम प्रमाणित है। इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अच्छा दिन नहीं है।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक स्पंदित अनुकूल एवं उत्तम अंक है।

परंतु 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल एवं हानिकारक अंक है।

आपके लिए मात्र एक (ब्लू) नीला रंग प्रतिकूल एवं त्यागनीय है। परंतु रंग, लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग आपके लिए सर्वथा अनुकूल शुभ एवं लाभदायक ळें